कंजका दें हुलारे

सोहन दा महीना मेले मंदिरा ते लगे दर जगमग मारे लिश्कारे,
माँ पीपली ते पींग झूटदी माँ नु कंजका दें हुलारे पीपली ते पींग झूट दी,

किकलियाँ पौंडियां ने बन बन जोतियाँ,
कंजका नाल खेल्दी माँ गेंद अते गोटियां,
तू भी बड़बड़वाला ते दीदार माँ दे पा ले,
मुद मिलने नहीं अज़ाब नजारे,
माँ पीपली ते पींग झूटदी....

देव घन ऋषि मुनि संत की महात्मा,
गद गद होगी आज सरियाँ दी आत्मा,
शीश इन्दर झुकावे अमृत बरसावे,
हूँ गांदे चन सूरज ते तारे
माँ पीपली ते पींग झूटदी....

हीरे दी कलम करे गलती माँ रोकड़ी,
खेड़ दी नु खेड़ा एह तबर तीन लोक दी,
जग उते कली निगहा रख दी सवली,
जग जननी दे खेल न्यारे,
माँ पीपली ते पींग झूटदी

Source:

https://www.bharattemples.com/kanjka-den-hulaare-pipli-te-peengh-jhut-di/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw